



# नागराज की हांग कांग यात्रा

नागराज का एक पोस्टर मुफ्त



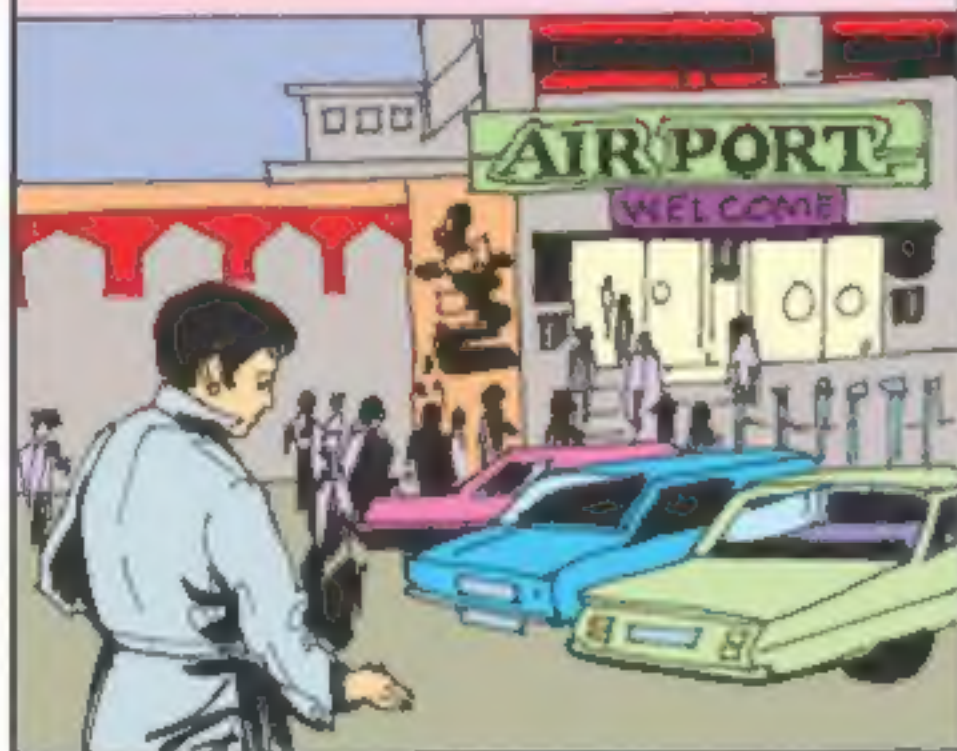


संजय गुप्ता पेश करते हैं...

# नागराज की हॉंगकांग यात्रा

लेखक : परशुराम शर्मा  
चित्रांकन : संजय अष्टपुत्रे  
सम्पादक : मनीष गुप्ता

नागराज आतंकवादी गिरोहों की तलाश में विश्व-भ्रमण पर निकल पड़ा।



प्लेन में —

हैलो! माई सेल्फ  
मिस्स लाकाशी!

कृपया  
अपनी सीट बेल्टें  
बांध लें। विमान उड़ान  
के लिए तैयार है।



हॉंगकांग होकर टोकियो जाने वाले एयर इण्डिया के बोइंग 747 ने निश्चित समय पर उड़ान भरी।







मिस् ताकाशी जिस टैक्सी में बैठी थी... एकाएक दाएं-बाएं से दो व्यक्ति आकर - दोनों ओर के दरवाजे खोलकर उसमें बैठ गए।



नागराज ने तुरन्त ही निर्णय लिया और एक टैक्सी की ओर लपका। और..



नागराज की नजरों से शाइवर सम्मोहित सा हो गया - वह कुछ पूछ भी न सका।



नागराज ने टैक्सी शाइवर को किराया देकर विदा किया।





फाटक पर पहुँचेदार मुस्तैद  
खड़े हैं। उनसे बहस करनी  
बेकार है, अदर प्रवेश  
करने के लिए मुझे अपना  
ही तरीका इस्तेमाल  
करना होगा।

नागराज ने इमारत के पीछे  
पहुँच कर अपना ओवरकोट उतारा।



ओवरकोट का कपड़ा  
जिसे नागराज ने  
पर लपेट लिया।

खौफलाक  
जंग के आसार  
नजर आ रहे  
हैं।



नागराज पार्श्वभाग की दीवार पर चढ़ने लगा



और एक खिड़की से...

...अंदर कूद गया।



तभी-

हे!  
कौन हो तुम?

तुम्हारा  
बाप!



# फरस



दसवें फ्लोर पर पहुंचते ही नागराज का स्वागत किया गोलियों ने।





# नागराज की हांगकांग यात्रा

इन्हे मेरे आगमन की भनक मिल गई है - इसका मतलब यहां वीडियो कैमरों की व्यवस्था है!



कैमरे छत पर लगे हैं!



**कड़क**



अब देरवता हूं कैसे देरवते हैं मुझे...!

रोशनदान से नागराज कंट्रोल रूम में पहुंचा -



**कंट्रोल रूम**



पता नहीं बंध इन्सान है या जादूगर! हम नो उसे पहली मंजिल पर ही घेर लेते - किन्तु सेकेण्डों में वह दसवीं मंजिल पर आ गया और हमारे आदमियों को बेहोश करके गायब हो गया सर!



कहां गया?

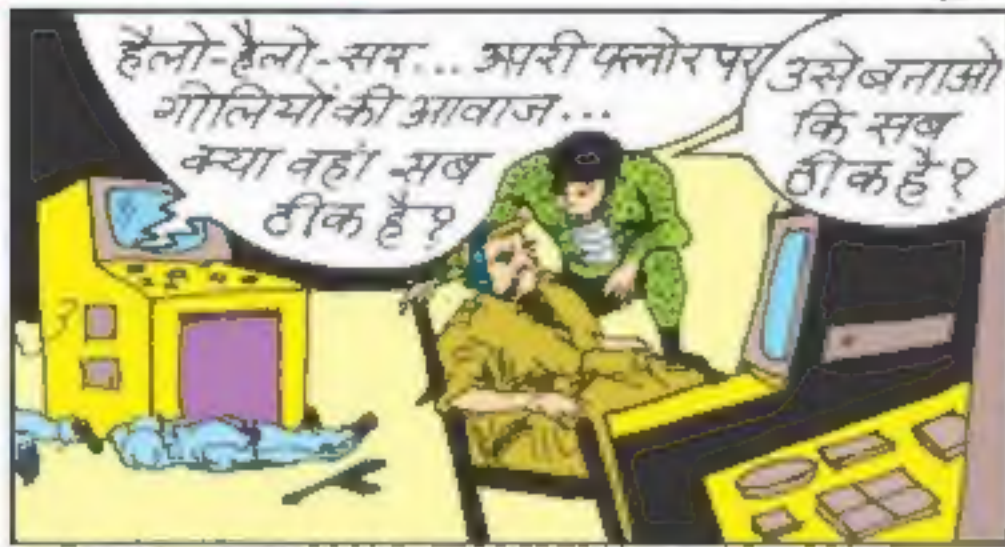
बेवकूफ!

सारे कमरे देख डालो!













यह सुजुकी  
कौन है?

मार्शल आर्ट, जूडो-  
कनाटे, कुंगफू का सबसे  
बड़ा माहिर-जिसके  
सामने झांगो भी  
सिर झुकाना  
है!

**झांगो**  
यह कौन है???

हमारे बॉस  
चांगो से टक्कर लेने  
का हौसला रखने वाला  
-एशिया का एक मात्र  
लड़ाका! चांगो के बाद  
एशिया के अण्डर वर्ल्ड  
की सबसे बड़ी शक्ति  
झांगो ही है!



हम्म! अब मेरी बान ध्यान  
से सुनो मिस्टर इंचार्ज-  
अपने आदमियों को आदेश  
दो-राजकुमारी ताकाशी  
को तुरन्त छोड़ दिया जाए,  
उसे कहीं जाने से  
रोका नहीं जाए!



मैं अपनी आंखों से उसे  
इस इमारत से बाहर  
निकलते देखना चाहता  
हूँ। तुरन्त... अभी...  
इसी समय...

ठीक है!  
मैं अभी  
आदेश देता  
हूँ!

अगले ही पल-

हेलो, रीबन बॉस का नया  
आदेश है- राजकुमारी  
ताकाशी को  
फौरन छोड़  
दिया जाए!



इंचार्ज के आदेश का तुरन्त ही पालन  
किया गया-

टी.वी. स्क्रीन पर नागराज ने मिस ताकाशी को  
चांगो इंटरप्राइजिज के फाटक से बाहर  
निकलते देखा।



जैसे ही राजकुमारी ताकाशी फाटक  
से बाहर निकली-

**आह!**  
**ठाक!**



और फिर रिविडकी की राह से-



इस इमारत में कितना हंगामा हुआ- गोलियाँ चलीं- मगर पुलिस को कोई खबर नहीं। लगता है यहां की पुलिस भी चांगों से धबराती है।

कम्पाउंड में एक टैक्सी खड़ी थी- जिसके निकट दो स्टेनगन धारी पहरेदार भी थे। उनकी नजर जैसे ही नागराज पर पड़ी



**अरे!** वह क्या हैं मिंग?  
पता नहीं! गोली चलाएं?

मगर पहरेदार कुछ भी नहीं कर सके। नागराज की फुंकार ने उन्हें...



... पहले ही बेहोश कर दिया।

और फिर- यही वह टैक्सी है जिसमें मिस ताकाशी को यहां तक लाया गया था।



शाइबर चांगों का ही कोई आदमी रहा होगा।

कौन है?

रोको!

बाहर निकलते ही उसने सड़क के किनारे खड़ी राजकुमारी ताकाशी के पास टैक्सी बोक दी।



मिस ताकाशी फौरन इस टैक्सी में आ जाइए!

कौन हो तुम, मुझे कैसे जानने हो? अरे! तुम तो...

लेकिन नागराज ने पहरेदारों के प्रश्न का उत्तर दिया अपनी जहरीली फुंकारों से-



**आह!**

और अगले ही पल वह चांगों इंटरप्राइजिज की इमारत से बाहर था।

नागराज को पहचानते ही राजकुमारी टैक्सी में बैठ गई।



थाड़ी दूर बाद—

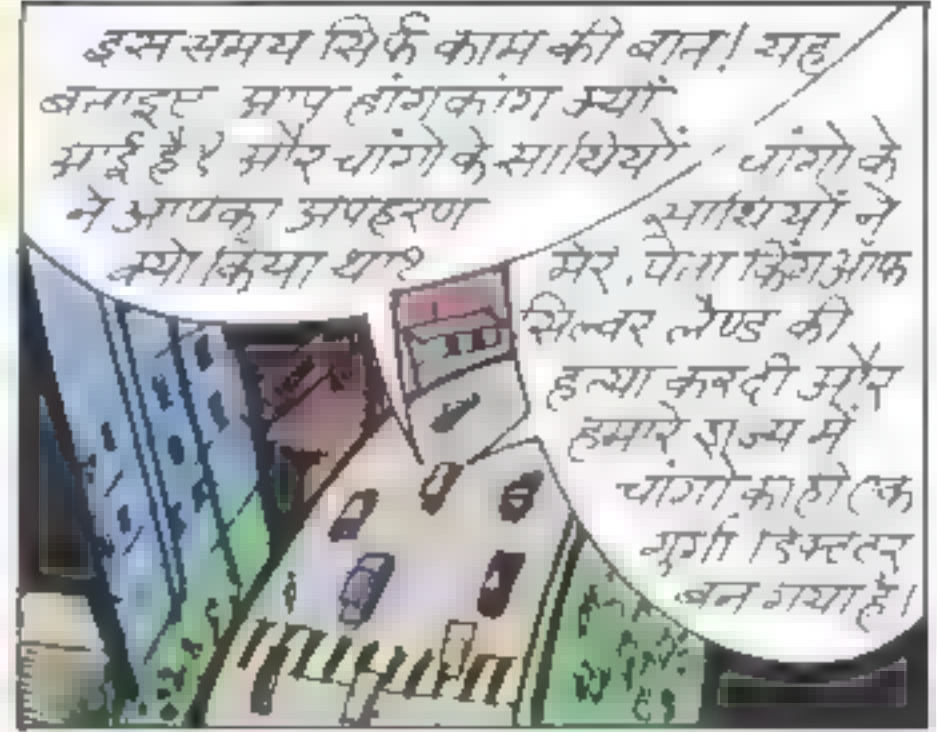
आपने ठीक पहचाना... हम प्लेन में सहायजी थे।

तुम्हारी पोशाक??



इस समय सिर्फ काम की बात! यह बनाइए आप हांगकांग ज्यों मई है? और चांगो के साथियों ने आपका अपहरण क्यों किया था?

आशियों ने मेरे पैना किंग ऑफ सिल्वर लेण्ड की हत्या कर दी और हमारे राज्य में चांगो का होल्क गुर्गा डिस्ट्र बन गया है।



मैं बड़ी मुश्किल से आपको जग बचाकर भागने में सफल हुई हूँ मुझे कोज जाना है... वहाँ मेरे पैना का मित्र मुजूकी है- जो मुझे चांगो से बचा सकन है- और उसकी लया उस के चेचे झांगो की मदद से शायद मैं फिर से अपना राज्य हासिल करूँ।



मगर कोज पहुँचने से पहले हो-

ओह! पैनेल रवत्म!

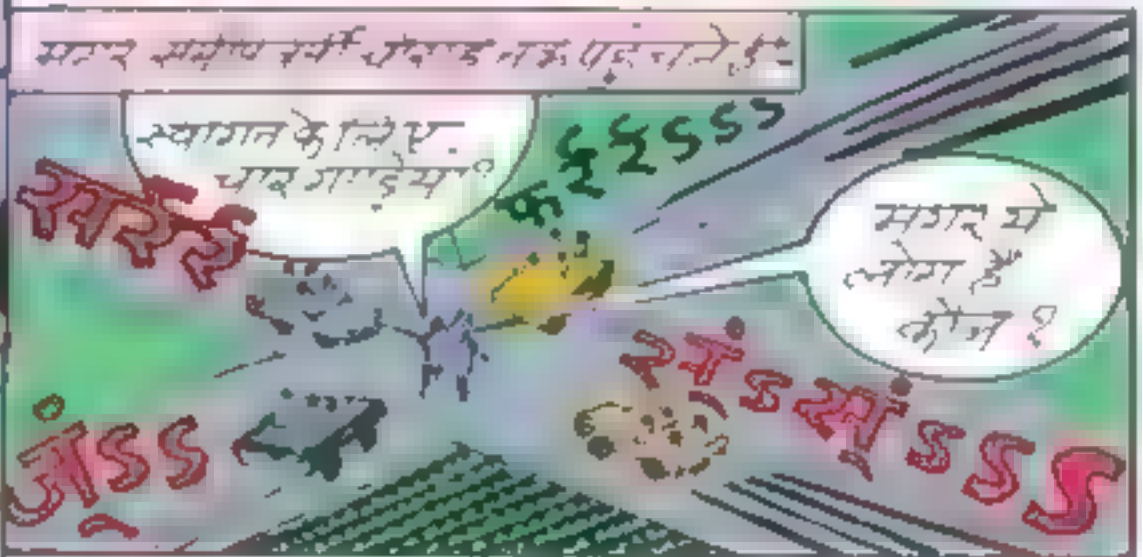
समुदा किनारा पस है! जहा तक कागर्ग पैदल लय कर लेते हैं।



मगर समुदा रसी जहाड नक पाहुँचने है-

स्वागत के लिए- चार गाँड़े यान

मगर ये लोग हैं कोन?



किस लोग इनमें से जिस गाँवो में बैठना चाहें, बैठ सकन हो।

लकिन म्य और हमे कहाँ से जाना चाहने हो।

हम तुम्हें स्वर्ग का रास्ता दिखाएंगे



जैजुन में मुझे नई कारखाना देखा सकना है।

लगन है चांगो के चमचों को जल्दी हो होडा आ गया।



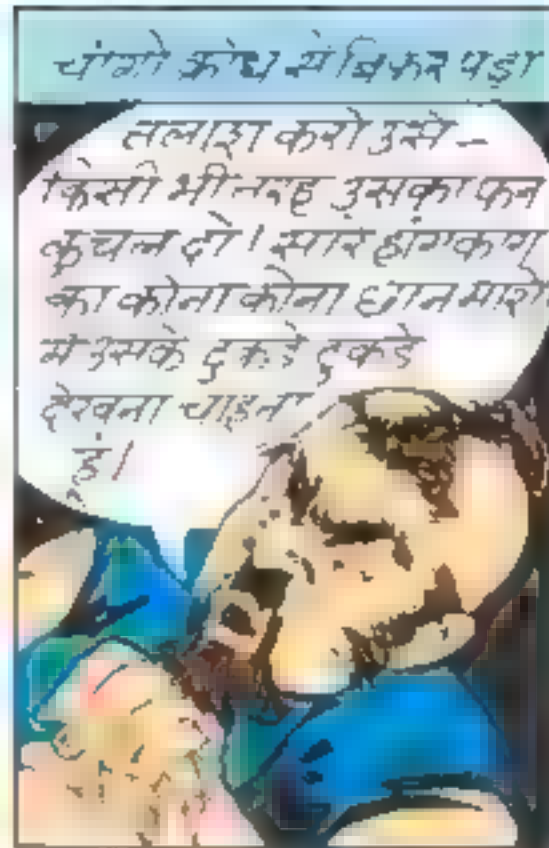




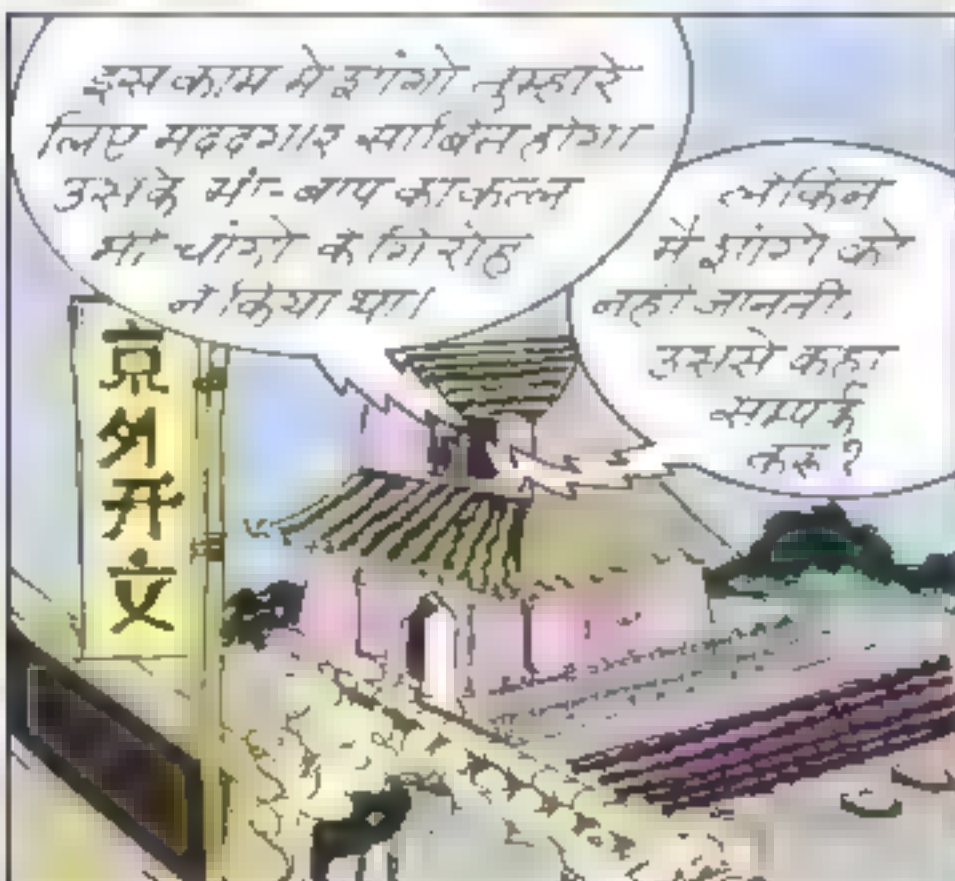
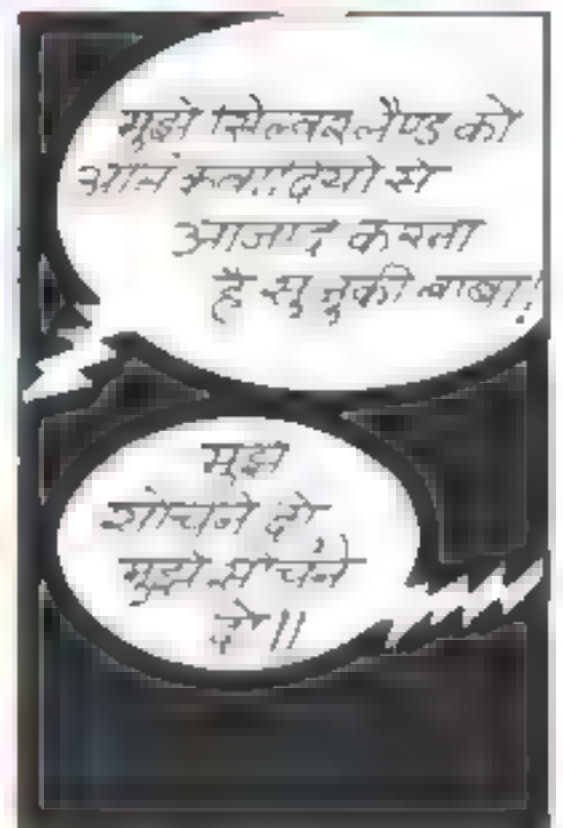




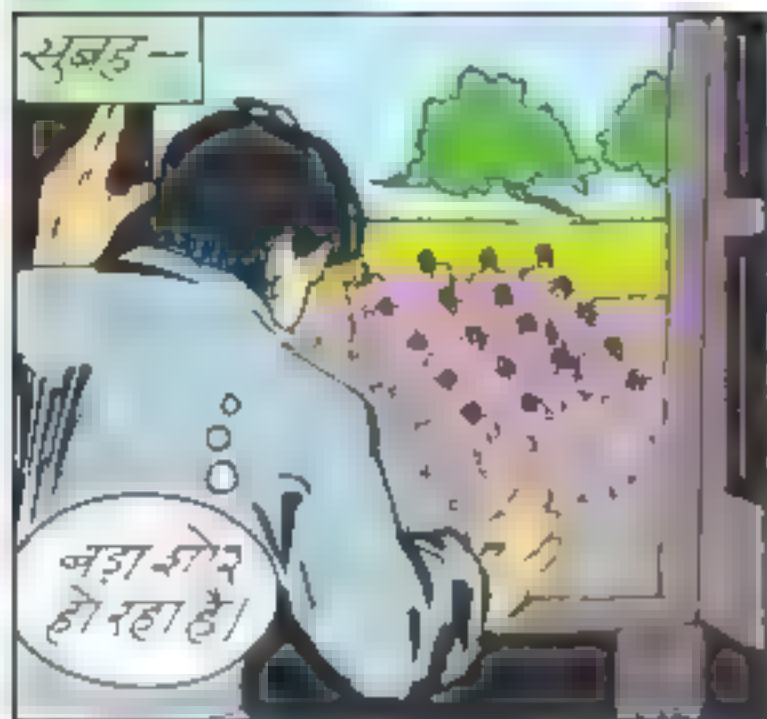




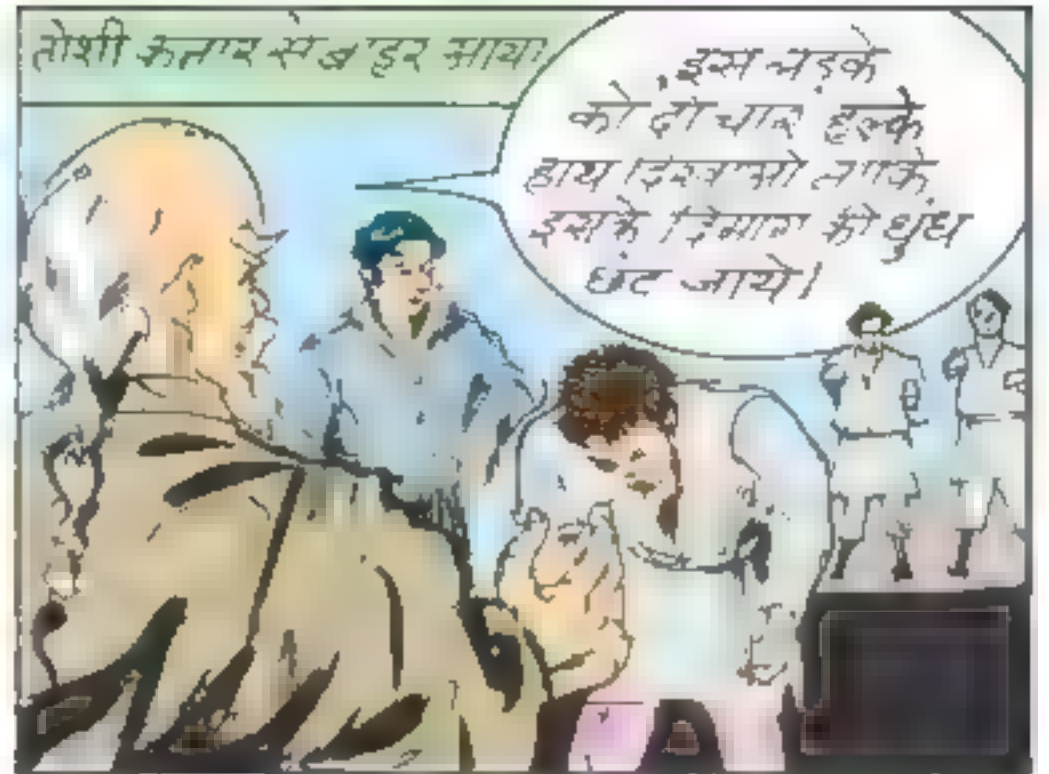
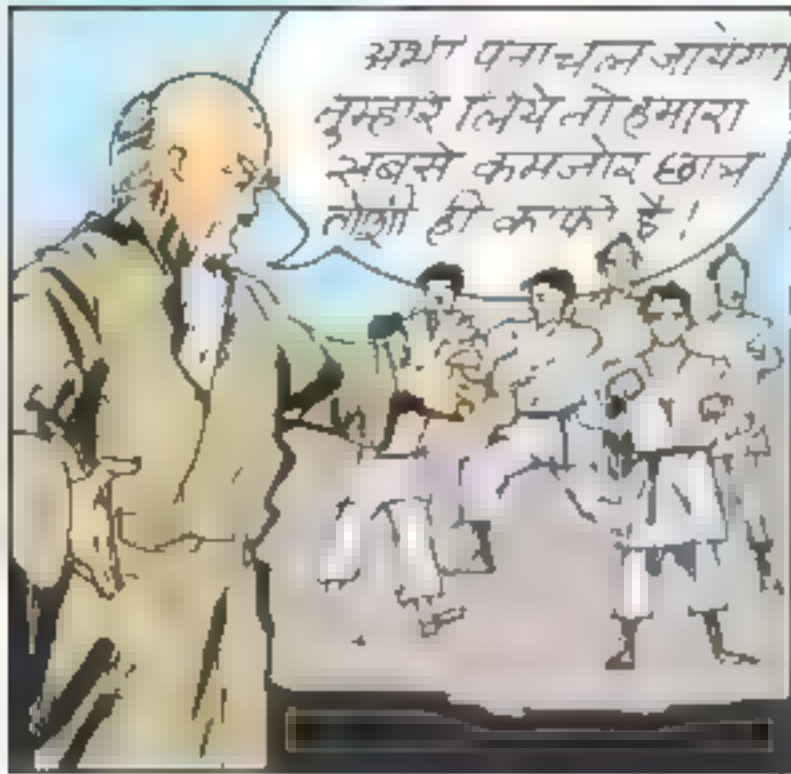




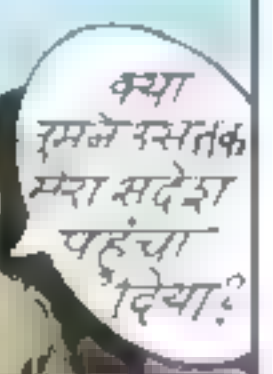
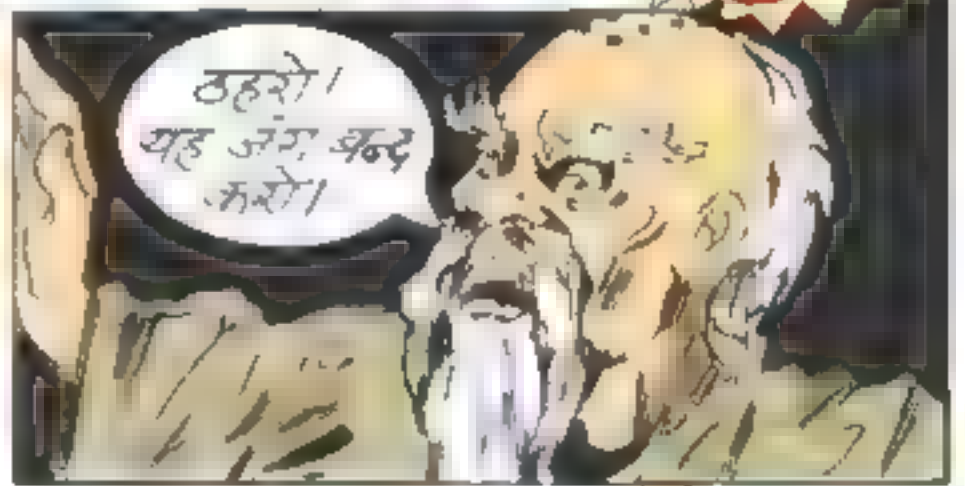
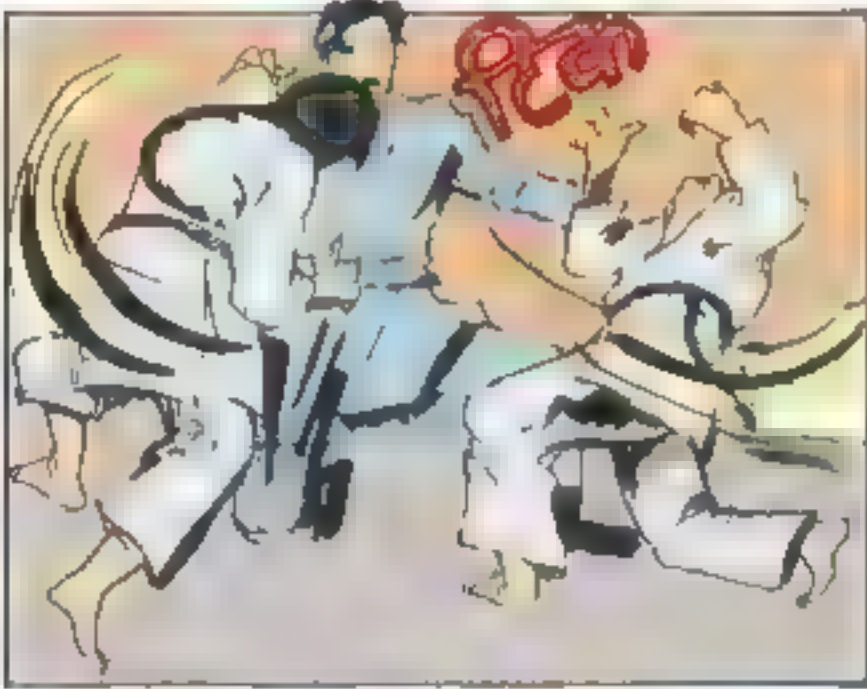
















जी हाँ! मास्टर, और  
यह किसी भी जन्म यहाँ  
आ सकता है।



राजकुमारी।  
शांगो और नगराज, नीलवा  
अनारजंगला के दो दोस्त हैं।  
यह आपका सौभाग्य है  
जो नगराज आपके  
साथ चला आया।



शांगो के पीछे यहाँ  
को पालेस भी पड़े है।  
इसलिए वह दो तरफा  
दखान में काम करता  
है। लेकिन नगराज  
रबुला काई  
है।



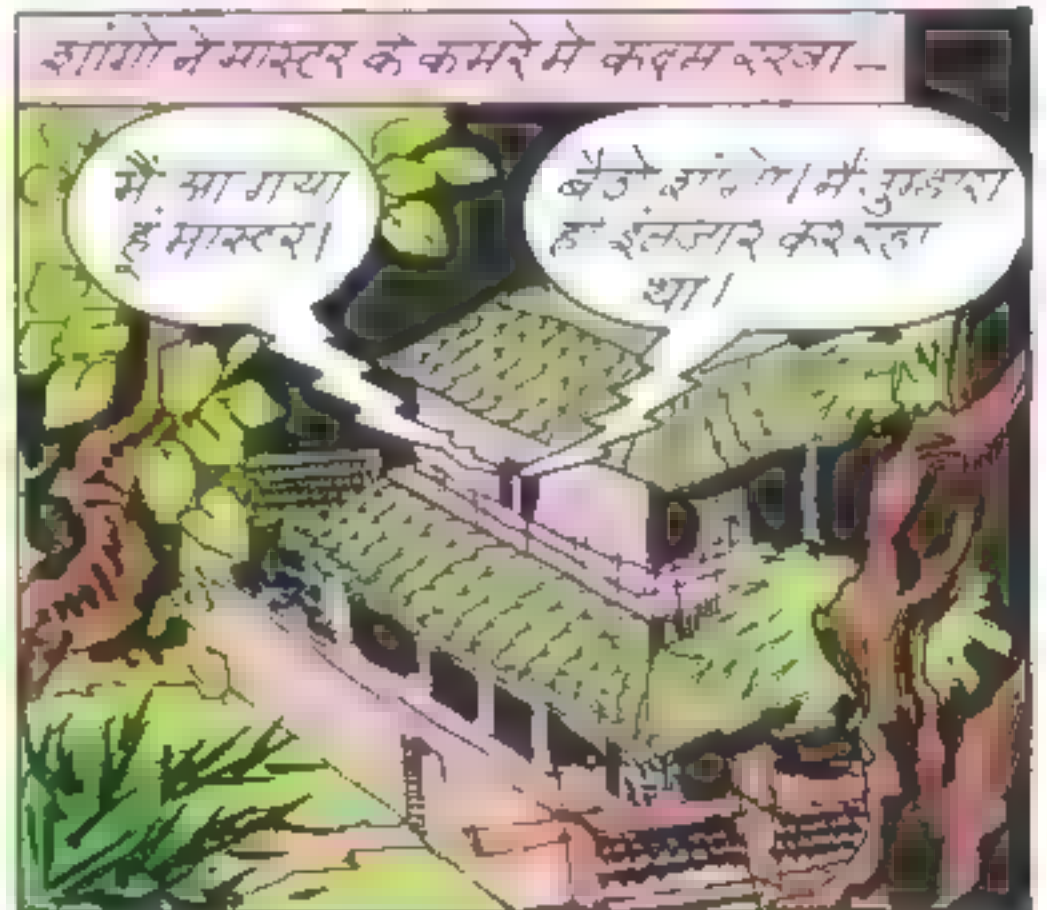
किस तरह मैं शांगो  
यहाँ मुझसे मिलने आ  
सकता है। मैं उससे  
बच कर रहा हूँ।



रात के समय-

शांगो आ गया है  
मास्टर... उसका ऊटना है कि  
हर तरफ अधेरा हो - सिर्फ  
आपके कमरे में रोशनी रहे  
और सब रास्ते रबुले हों।

ठीक है।

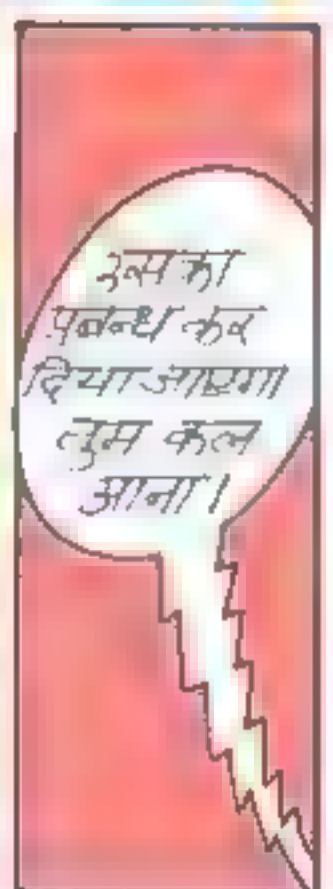


शांगो ने मास्टर के कमरे में कदम बरजा -

मैं आ गया  
हूँ मास्टर।

बैठे शांगो। मैं चुपचाप  
हूँ इंतजार कर रहा  
था।

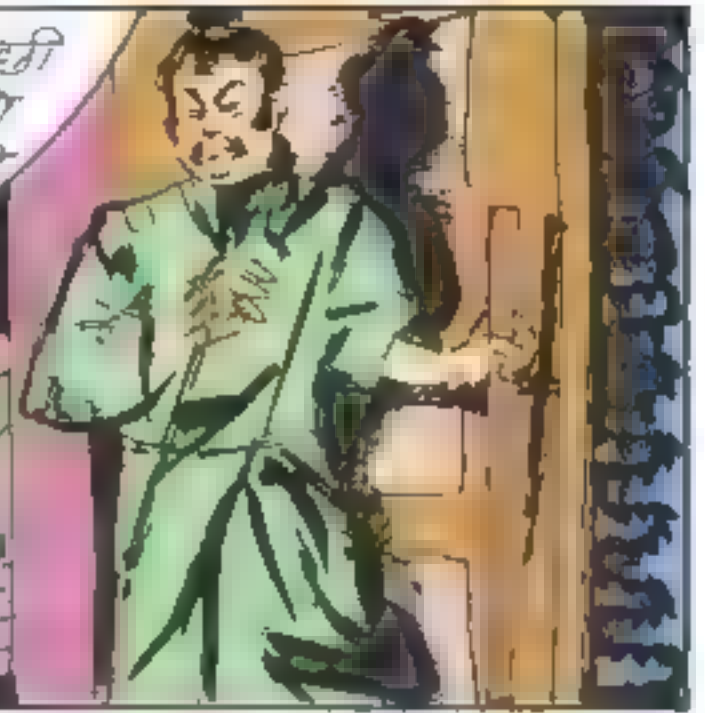






अगली सुबह—

इन तीन आंठियों को अच्छी प्रकार पहचान लो। इनमें से दो तुम्हारे पास होगी और तीसरी आगो के पास...



दोनों ने संयुक्त शरण कर लीं।

इस तरह तीनों एक-दूसरे को पहचान सकेंगे। तब तुमसे सिल्वर लेण्ड में आ मिलेगा।



सिल्वर लेण्ड में कणक बरती का बरकर मेरा आगो है। तुम्हारी गांठियों का केन्द्र वही स्थान होगा।

बुन बुनर!



मैंने उसके नाम रवन लिख दिया है। राइ लो!



अब हम-बलते हैं सिल्वर लेण्ड की ओर।

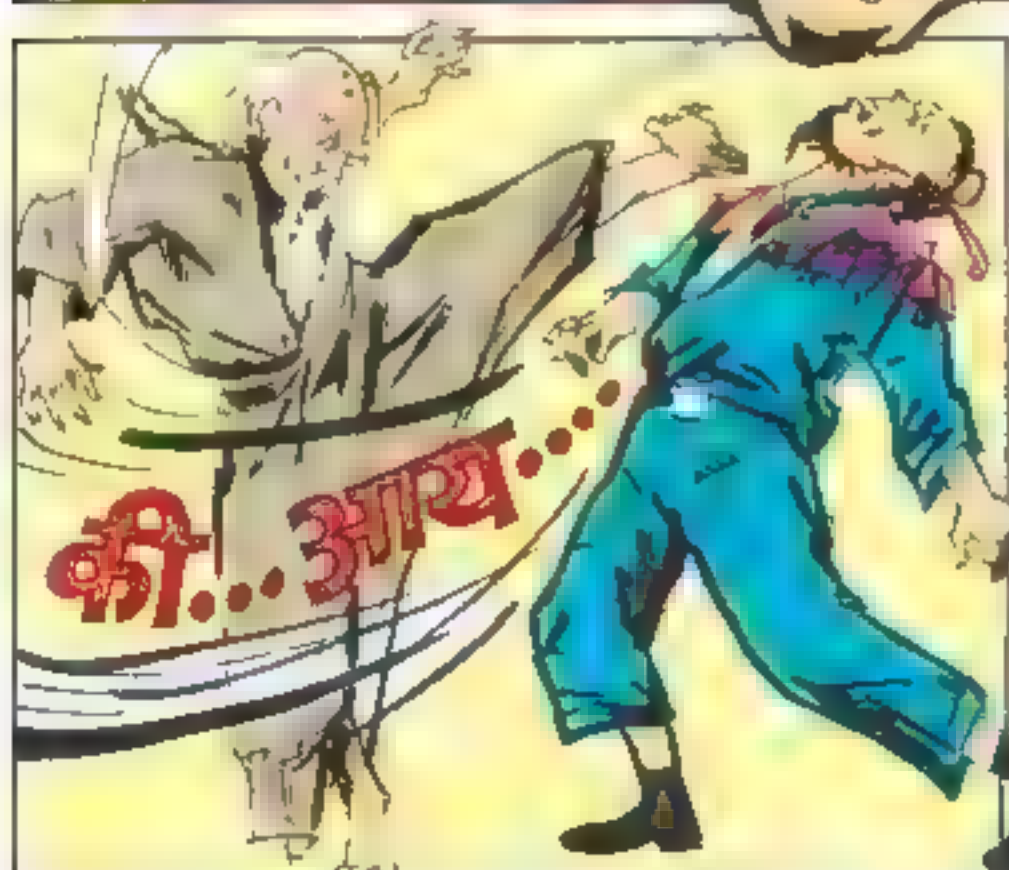
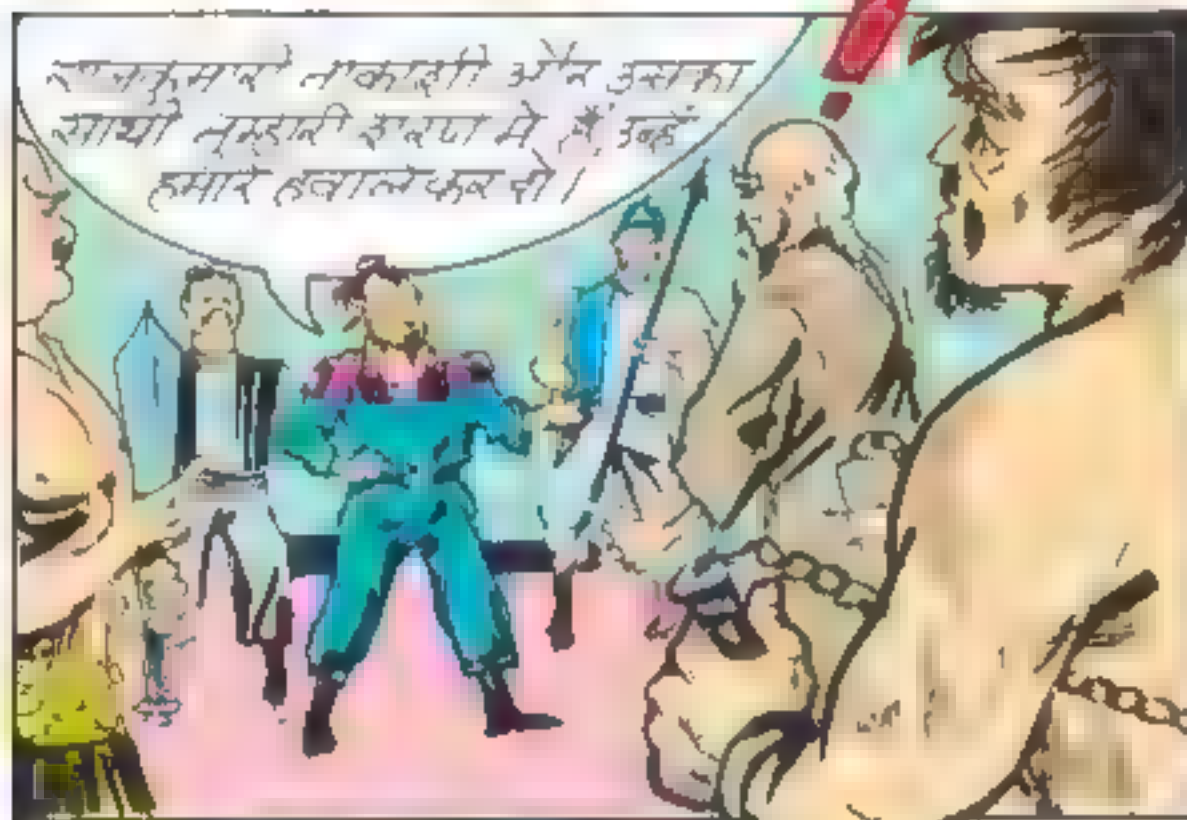
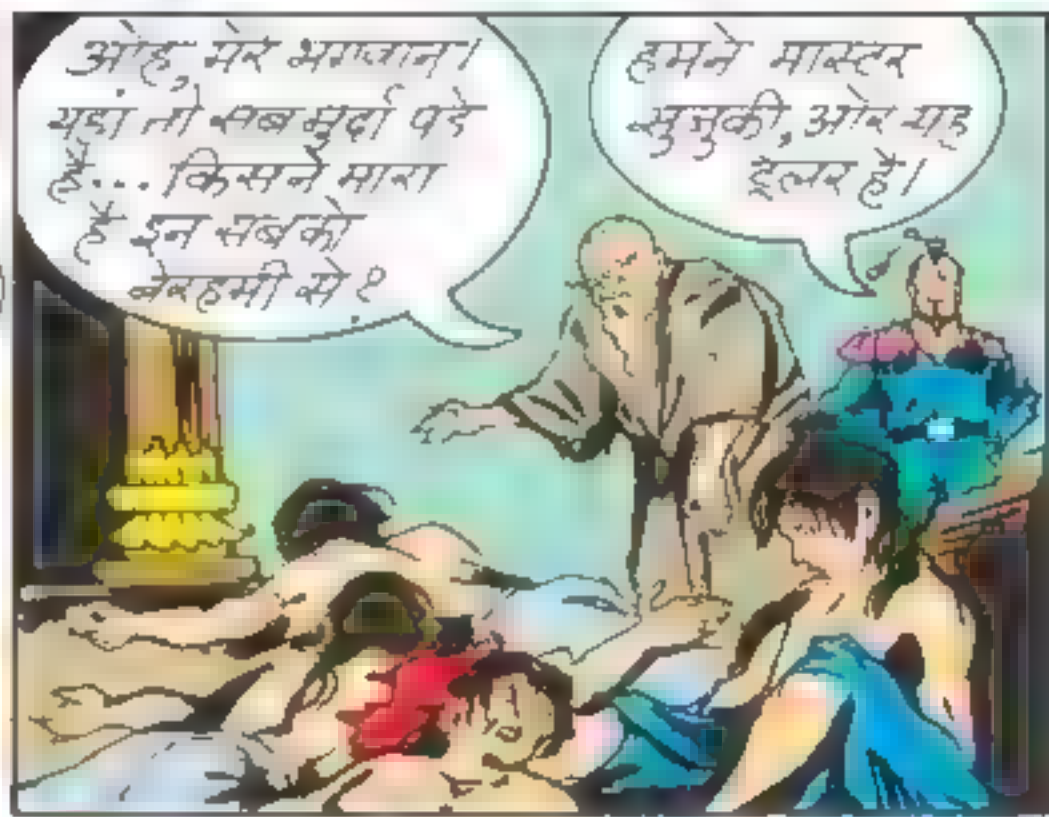
मिलावड़ा मेरे बच्चों का बड़बूत तो तुम्हारी लज्जा होगी।



इसके अंदर इहे शक्ति है!







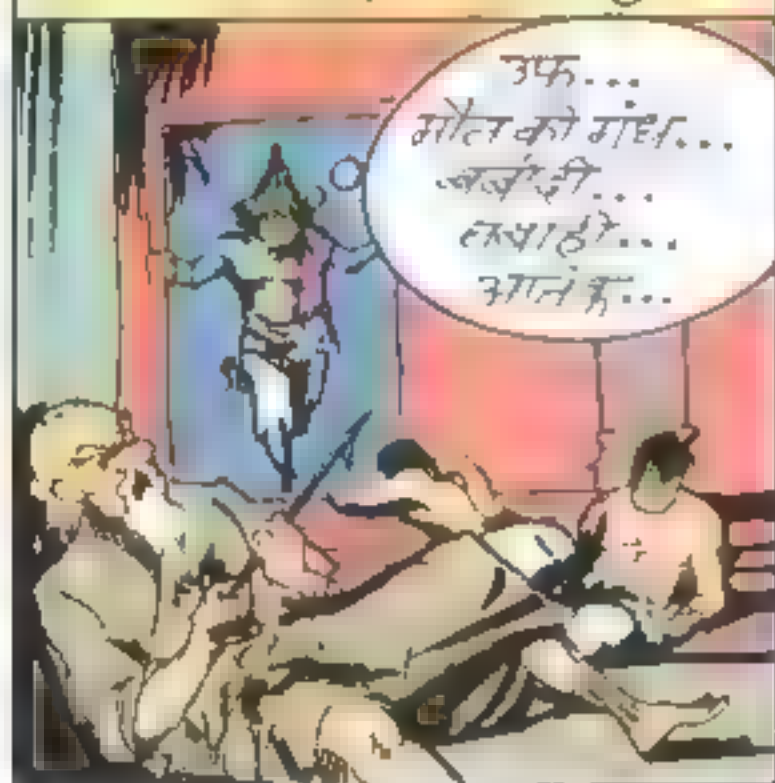








जब शांगो भुजुनी के पास पहुंचा-



मछेरी की बहार में-





चांगो के अड्डे पर -

क्या... वह नहीं मिले  
और सुजुकी का कत्ल कर  
वाला... मुरवो ने मने सुजुकी  
का कत्ल क्यों किया ?  
सुजुकी के चने संसार-भर  
मे फैले हैं।

सुजुकी की मौत का समाचार सुनकर दुनिया भर के कंगू  
मैन हांगकांग का रुख करेंगे और अगर उन्हें मालूम हो  
गया कि इसमें चांगो का  
हाथ है तो अजाम  
बुरा होगा।



हम क्या करने बॉस ! वर  
जुदा हम पर दण्ड के लमह  
दूर पडा था.

ठाक है दुरा कर भी क्या  
सकते थे. जो कह  
करेंगे हम करेंगे।



जंबालू!

यस बॉस.



यहा आओ।

बॉस !  
गोर एक्सी बोररी !  
हमें क्षमा कर दिया जा...



जंबालू, यह चार लोग  
नुहारी खुराक का  
इनजार कर रहे  
हैं।



शडाक. शडाक







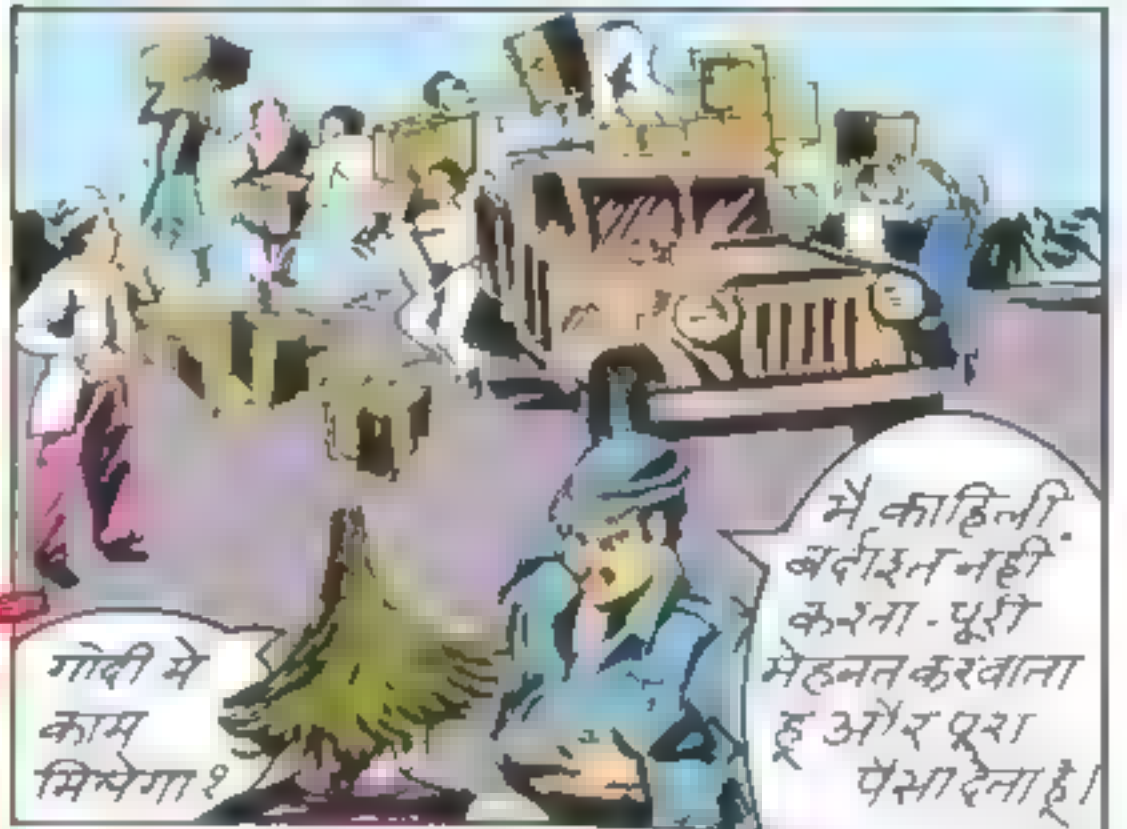


तुमने घर घर डाक  
चांले हो- तुमने  
दरवाजे हटवाये यह  
अंगूठी किसी के  
पास है?

मैं डाकिया  
हूँ चोर नहीं।  
जो लोगों के  
जेबों पर  
निगाह रखूँ।



सात दिन हो गए -  
सुराग लगाने-लगाने,  
लेकिन कुछ भी पता  
नहीं चला.



गोदी में  
काम  
मिलेगा?

मैं काहिली  
बर्दाश्त नहीं  
करना- पूरी  
मेहनत करवाना  
हूँ और पूरा  
पैसा देना है।

चलो, उठाओ  
पैली। बरना खाल  
रखीच लूंगा।



दो दिन  
का भूखा हूँ  
सरकार!

सडाक



मुह क्या देख रहे  
हो? मरगथानो क्या  
हुआ। चलो, काम  
करो!





रान के समय-

हमारा एक साथी  
भोर मर गया...  
धीरे धीरे हम  
भी मर जाएंगे

और हमारी जगह  
नये लोग आने  
रहेगे। फर्क क्या  
पड़ता है।

हम लोग गुलाम  
हैं और गुलामों का  
यही जीवन होना  
है।

तुम लोग यह सब  
बर्दाश्त कैसे कर  
लेते हो?

लेकिन ऐसा है  
क्यों? मेहनत के  
बदले कोड़े  
क्यों?

जब से क्रान्ति हुई है  
सबसे नया राजा बना  
है। पगार की जगह सिर्फ  
रोटी मिलती है वह भी  
भर पेट नहीं।

हर नया आदमी  
तुम्हारी तरह जोश में  
आता है, फिर कोड़े  
पड़ते ही अकल ठिकाने  
आ जाती है।

जो मरा है, वह अपनी रोटिया  
बचाकर अपने भूखे बच्चों को  
देता था। कभी कभी दो दो,  
तीन-तीन दिन तक फाके  
करता था। अब उसके  
बच्चों का क्या  
होगा?

यह जुल्म है,  
अन्याय है। पहले  
पगार नय की जाएगी,  
वरना काम नहीं  
होगा।

नहीं- नहीं हम तुम्हारी  
बानों में नहीं आसकते।

हमें  
रोटी कौन  
देगा?

कोड़ों से  
कौन  
बचाएगा?

















# नागराज और शांगो

